क्या बाबू? शहर में नए लगते हो. कौन से जिले से आ रहे हो? हर चीज को बड़े गौर से देख रहे हो. बोलते क्यों नहीं? हाँ... दत्त तेरी की... तो तुम सच में गूंगे हो. कोई बात नहीं हमारे पास ऐसी-ऐसी दवा है गूंगे क्या बहरे भी बोलने लगते हैं. कुछ पैसा-वैसा घर से लेकर चले थे के नहीं? नहीं... दत्त तेरी की... कोई बात नहीं, गले में ये चैन सोने कि है? हाँ... अरे वह तब तो तुम जरूर बोलने लगोगे. अब चुप चाप अपनी चैन निकालकर मेरे हाथ में दे दो, नहीं तो देख रहे हो ये छूरा घोंप देंगे पेट में. अरे चिल्ला क्यों रहे हो? अरे तुम तो बोल सकते हो! फिर तो हमें माफ़ कर दो.